विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय
वर्ग - द्वितीय दिनांक :- 06/11/2020
विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि
एनसीईआरटी पर आधारित (कहानी)
किंग कोबरा और चीटियां

बहुत समय पहले की बात है, एक भारी किंग कोबरा एक घने जंगल में रहता था शिकार करता था और दिन में सोता रहता था।

धीरे-धीरे वह काफी मोटा हो गया और पेड़ वह रात में के जिस बिल में वह रहता था, वह उसे छोटा पड़ने लगा। वह किसी दूसरे पेड़ की तलाश में निकल पड़ा।

आखिरकार, कोबरा ने एक बड़े पेड़ पर अपना घर बनाने का निश्चय किया, लेकिन उस पेड़ के तने के नीचे चीटियों की एक बड़ी बाँबी थी,

जिसमें बहुत सारी चीटियाँ रहती थीं। वह गुस्से में फनफनाता हुआ बीवी के पास गया और चीटियों को हॉटकर बोला, “मैं इस जंगल का राजा हूँ।

मैं नहीं चाहता कि तुम लोग मेरे आस-पास रहो। मेरा आदेश है कि तुम लोग अभी अपने रहने के लिए कोई दूसरी जगह तलाश लो।

अन्यथा, सब मरने के लिए तैयार हो जाओ!” चीटियों में काफी एकता थी। वे कोबरा से बिलकुल भी नहीं डरी। देखते ही देखते हज़ारों चीटियाँ बाँबी से बाहर निकल आई।

सबने मिलकर कोबरे पर हमला बोल दिया। उसके पूरे शरीर पर चीटियां रेंग-रेंग कर काटने लगी! दुष्ट कोबरा दर्द के मारे चिल्लाते हुए वहाँ से भाग गया।

****

ज्योति